3

हरित क्रांति

पाठ-परिचय

प्रस्तुत **निबंध** में लेखक ने बताया है कि भारत एक कृषिप्रधान देश है। इसका विकास और समृद्धि कृषि के विकास पर निर्भर करती है। स्वतंत्रता से पूर्व देश में कृषि की दशा अत्यंत पिछड़ी हुई थी। देशवासियों का पेट भरने के लिए दूसरे देश से अन्न मँगाना पड़ता था जिससे देश का बहुत-सा धन बाहर चला जाता था। स्वतंत्रता के बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू ने कृषि के विकास की ओर ध्यान दिया। उन्होंने अच्छी खाद, बीज, उन्नत कृषि यंत्र, सिंचाई आदि की व्यवस्था पर बल दिया। कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देकर अधिक पैदावार देने वाली नई-नई प्रजातियाँ तैयार की गईं। इन सभी के कारण देश में हरित क्रांति का प्रादुर्भाव हुआ। आज भारत अन्न के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि अन्य देशों को अन्न व अन्य कृषि वस्तुओं का निर्यात कर विदेशी मुद्रा भी कमा रहा है।

बच्चो! आप जानते हैं कि भूख मिटाने के लिए सभी को अनाज की आवश्यकता होती है। किसान खेतों में अनाज पैदा करते हैं। अनाज पैदा करने के लिए कई चीज़ें आवश्यक होती हैं; जैसे—बीज, खाद, पानी,

खेतों की भली प्रकार से निराई-गुड़ाई-जुताई आदि। यदि अच्छी किस्म के बीज न बोए जाएँ, तो अच्छे पौधे नहीं उगेंगे और फसलों की पैदावार भी कम होगी। इस प्रकार फसलों को सही समय पर उचित मात्रा में पानी भी मिलना चाहिए। पानी की कमी से पौधे मर जाते हैं या फसल की पैदावार कम होती है। यदि ज़मीन की उर्वरा शक्ति अच्छी है, तो खेतों में अनाज, दाल, कपास आदि की अच्छी फसल होती है। यदि खेती की ज़मीन में उर्वरता की कमी है, तो खाद व रासायनिक उर्वरक डालने चाहिए। अच्छी पैदावार प्राप्त करने के

लिए अच्छे बीज, पानी की उचित मात्रा और खाद तथा उर्वरकों की आवश्यकता तो होती ही है; साथ ही ज़मीन की जुताई व गुड़ाई करना भी आवश्यक होता है। प्राचीन समय में हल-बैलों द्वारा ज़मीन की जुताई की जाती थी। आजकल ट्रैक्टरों की सहायता से कम समय में खेतों की अच्छी जुताई की जा सकती है।

अच्छी पैदावार लेने के लिए फसलों को कीड़ों व अन्य रोगों से बचाने की भी आवश्यकता होती है। जब फसल पूरी बढ़वार पर होती है, तो उसमें कीड़े व कई प्रकार के रोग लग जाते हैं जो फसलों को खराब कर देते हैं। इसलिए फसलों पर कीड़ों व रोगों को नष्ट करने वाली दवाइयों का समय से छिड़काव करना चाहिए।

1947 में जब भारत देश स्वतंत्र हुआ था, उस समय देश की आबादी लगभग 40 करोड़ थी। उस समय हमारे पास अन्न की बहुत कमी रहती थी। हमें हर साल दूसरे देशों से अन्न मँगवाना पड़ता था। इससे हमारे देश की आर्थिक स्थिति कमज़ोर हो जाती थी, क्योंकि हमारा पैसा दूसरे देशों में चला जाता था।

अंग्रेज़ हमें जिस हालत में छोड़ गए, उसमें अच्छी फसल उगाने का कोई साधन नहीं था। 1947 तक हमारे किसान खेती के लिए बारिश के पानी पर निर्भर थे। बड़ी ही खराब स्थिति थी। जब हम चाहें, बारिश तो हो नहीं सकती। अतः हमें बारिश के पानी को झीलों, तालाबों में इकट्ठा कर लेना चाहिए और आवश्यकतानुसार नहरों द्वारा सिंचाई करनी चाहिए। इसके लिए हम नदियों पर बाँध भी बना सकते हैं और बाँध से ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई के लिए पानी छोड़ सकते हैं। आज़ादी के समय हमारे देश में सिंचाई का कोई साधन नहीं था। न ही हमारे पास खेती में काम आने वाले छोटे-बड़े उपकरण बनाने, ट्रैक्टर बनाने और उर्वरक तैयार करने के कारखाने थे। भारत में उस समय कीड़े व रोग नष्ट करने की दवाइयाँ भी नहीं बनती थीं। इससे हमारी फसल कमज़ोर होती थी और दूसरे साल के लिए अच्छे बीज भी नहीं बन पाते थे।

आज हमारे देश की आबादी तिगुने से भी अधिक हो गई है। फिर भी हमें बाहर से अनाज नहीं मँगवाना पड़ता। बल्कि आज हम दूसरे देशों को फल, तरकारी, चावल, चीनी आदि का निर्यात करते हैं और देश के लिए विदेशी मुद्रा कमाते हैं। अनाज के मामलों में भारत आज आत्मनिर्भर हो गया है। इसी को हम 'हरित क्रांति' कहते हैं। यह सब इतने कम समय में कैसे हुआ?

यह सब भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू जी की दूरदृष्टि का परिणाम है। उन्होंने देश में भाखड़ा नाँगल जैसे बड़े बाँध बनवाए। देश में सिंचाई की कई योजनाएँ प्रारंभ कीं। गाँवों में बिजली पहुँची और किसान मोटर पंप द्वारा ज़मीन में से पानी खींचकर फसलों की सिंचाई करने लगे।

देश में सिंदरी आदि जगहों पर उर्वरक बनाने के कारखाने लगाए गए। अब किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक मिलने लग गया है। इसी प्रकार देश में जगह-जगह ट्रैक्टर तथा अन्य कृषि यंत्रों को बनाने के कारखाने स्थापित हो गए हैं। अब गाँव-गाँव में ट्रैक्टर देखे जा सकते हैं। सरकार ने किसानों को कीटनाशक और रोगनाशक दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई हैं। देश के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में उन्नत बीज तैयार किए। गाँव-गाँव में किसानों को नए ढंग से खेती करने की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इन सभी कार्यों से हमारी कृषि उत्पादन क्षमता में आशातीत वृद्धि हुई है।

भाखड़ा नाँगल बाँध

हमारे लिए अधिक अनाज की पैदावार करना ही काफ़ी नहीं है। कटी हुई फसल की सुरक्षा करना भी आवश्यक है। किसान फसल काटकर खेत में ही रख देते हैं या बोरों में भरकर गोदामों में डाल देते हैं। खेत में पड़ा अनाज पानी पड़ने पर अंकुरित हो जाता है और खाने योग्य नहीं रहता। गीला अनाज सड़ भी जाता है। गोदामों में चूहे अनाज खा जाते हैं या उनमें कीड़े लग जाते हैं। यदि अनाज सूखा न हो, तो उसमें फफूँद लग जाती है जिससे वह खाने योग्य नहीं रह पाता है। इस तरह देश में अनाज के उत्पादन का बहुत बड़ा भाग बरबाद हो जाता है। अब सरकार ने जगह-जगह कंकरीट के बड़े-बड़े भंडारघर बनाए हैं। इनमें अनाज सुरक्षित रहता है और यहीं से सीधा दुकानों में पहुँच जाता है।

हरित क्रांति सच में एक बड़ा चमत्कार है। यह सिद्ध करती है कि हम सब मिलकर सारी समस्याओं को दूर करने का यत्न करें, तो देश की उन्नति अवश्य होगी।

—संकलित

शब्द-संपदा

अन्न = अनाज; जैसे—गेहूँ, चावल, मक्का, बाजरा आदि। **उर्वरा** = उपजाऊ। **उर्वरक** = रासायनिक खाद। **आत्मनिर्भर होना** = अपने ऊपर निर्भर होना, अपना सहारा खुद बनना। **हरित क्रांति** = वह क्रांति जिससे पूरे देश में फसलों की पैदावार में वृद्धि हुई। **पर्याप्त** = काफ़ी। **आशातीत** = आशा से भी अधिक।

अभ्यास प्रश्न

निबंध से ....

1. दिए प्रश्नों के सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए :

क. यदि बीज अच्छे न हों, तो क्या होगा?

(i) अच्छी पैदावार नहीं होगी। ☐ (ii) अच्छे पौधे नहीं उगेंगे और पैदावार भी कम होगी। ☐
(iii) फसल उगाने में धन अधिक व्यय होगा। ☐ (iv) देश में अनाज की कमी होगी। ☐

ख. खेतों को जोतने के लिए सबसे अधिक उपयोगी साधन क्या है?

(i) हल-बैल ☐ (ii) खुरपा-फावड़ा ☐
(iii) ट्रैक्टर ☐ (iv) थ्रैशिंग मशीन ☐

ग. फसल में लगने वाले कीड़ों से फ़सलों को कैसे बचाया जा सकता है?

(i) खेतों में धुआँ करके। ☐ (ii) कीड़ों को पकड़कर गहरे गड्ढों में दबाकर। ☐
(iii) कीड़ों को उड़ाकर। ☐ (iv) कीटनाशक दवाइयाँ छिड़ककर। ☐

घ. विदेशी मुद्रा किस प्रकार कमाई जा सकती है?

(i) अधिक निर्यात बढ़ाकर। ☐ (ii) अधिक अनाज खुले स्थान पर रखकर। ☐
(iii) अधिक कारखाने खोलकर। ☐ (iv) अनाज को भंडारघरों में रखकर। ☐

ङ. सरकार ने अनाज को बरबादी से बचाने के लिए क्या किया?

(i) अनाज को दूसरे देशों को बेच दिया। ☐ (ii) वितरण प्रणाली प्रारंभ की। ☐
(iii) गरीबों को फ्री में अनाज बाँटना शुरू किया। ☐ (iv) जगह-जगह कंकरीट के बड़े-बड़े भंडारघर बनाए। ☐

2. दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क. 1947 में भारत में अन्न उत्पादन की क्या स्थिति थी?
ख. खेती के लिए बारिश के पानी का उपयोग कैसे किया जाता है?
ग. नेहरू जी ने देश के विकास के लिए क्या-क्या कार्य किए?
घ. हरित क्रांति से क्या आशय है? किसी राष्ट्र की उन्नति के लिए हरित क्रांति क्यों आवश्यक है?
ङ. हमारा देश विदेशी मुद्रा किस प्रकार कमा सकता है?

3. खाली स्थानों पर उपयुक्त शब्द भरिए :

क. खेती की ज़मीन में ____________ की कमी नहीं होनी चाहिए। (उर्वरक/उर्वरता)
ख. खेतों की सिंचाई के लिए ____________ मात्रा में पानी भी आवश्यक है। (पर्याप्त/अपर्याप्त)
ग. अनाज के मामलों में भारत आज ____________ हो गया है। (स्वार्थी/आत्मनिर्भर)
घ. वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में उन्नत किस्मों के ____________ तैयार किए। (बीज/खाद)

ङ. हमारी कृषि उत्पादन क्षमता में ______ वृद्धि हुई है। (निराशाजनक/आशातीत)

च. ______ क्रांति सच में बड़ा चमत्कार है। (हरित/श्वेत)

भाषा से........

1. विलोम शब्द लिखिए :

भूख × ______	कम × ______	उचित × ______	उर्वरा × ______
प्राचीन × ______	स्वतंत्र × ______	कमज़ोर × ______	बाहर × ______
निर्यात × ______	स्थापित × ______	वृद्धि × ______	सुरक्षित × ______

2. बहुवचन लिखिए :

खेत ______	अनाज ______	चीज़ ______	पौधा ______
फ़सल ______	बैल ______	कीड़ा ______	दवाई ______
नदी ______	योजना ______	यंत्र ______	किसान ______

3. शुद्ध रूप में लिखिए :

दूरभास ______	द्रिश्टी ______	कष्मीर ______	पोशण ______
विश ______	तलाब ______	गुडाइ ______	कपाश ______
इस्थिति ______	र्नियात ______	वस्तू ______	अंकूरीत ______

4. उचित प्रत्यय जोड़कर लिखिए :

प्रकृति + ______ = ______	राष्ट्र + ______ = ______	मोह + ______ = ______
स्वभाव + ______ = ______	विज्ञान + ______ = ______	अंकुर + ______ = ______
स्वतंत्र + ______ = ______	अर्थ + ______ = ______	रसायन + ______ = ______

5. खाली स्थान में उचित समुच्चयबोधक शब्द भरिए :

क. पानी की कमी से पौधे मर जाते हैं ______ पैदावार कम होती है।

ख. फसलों को कीड़ों ______ अन्य रोगों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करें।

ग. हमारी आर्थिक स्थिति कमज़ोर हो गई ______ हमारा सारा धन दूसरे देशों को चला गया।

घ. गोदाम में रखे अनाज को चूहे खा जाते हैं ______ उनमें कीड़े लग जाते हैं।

ङ बाज़ार से फल ले आना ______ फेरीवाला नहीं आया।

रचनात्मक गतिविधियाँ

1. विद्यार्थी खेतों में जाकर फसलों का निरीक्षण करें।
2. देश के प्रमुख बाँध और सिंचाई परियोजनाओं के नामों की सूची तैयार करें।